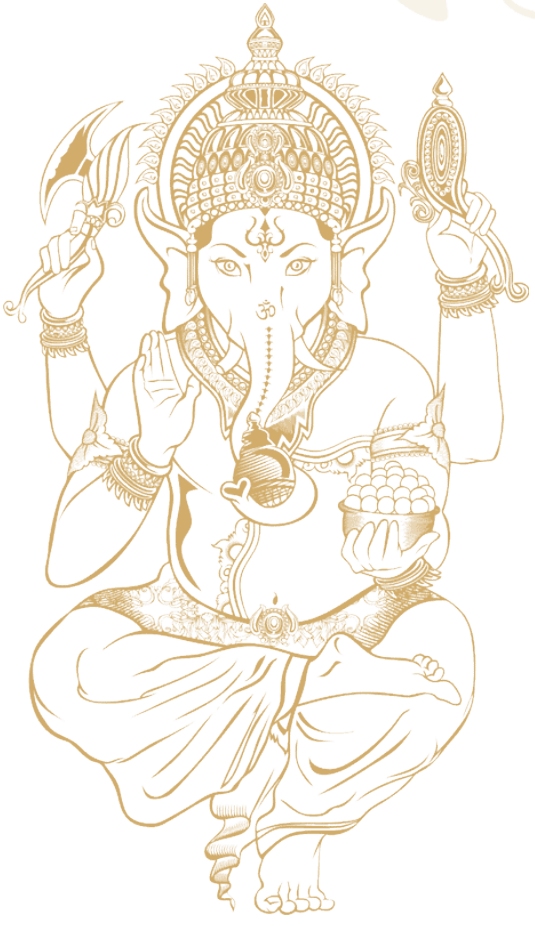

Mr.shrishti

17 Aug 2002

02:55 AM

Dausa

Model: web-freekundliweb

Order No: 119804202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16-17/08/2002**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:55:00 घंटे**
इष्ट	52:26:16 घटी
स्थान	**Dausa**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:51:00 उत्तर
रेखांश	76:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:30:24 घंटे
वेलान्तर	-00:04:20 घंटे
साम्पातिक काल	00:10:47 घंटे
सूर्योदय	05:56:29 घंटे
सूर्यास्त	19:00:50 घंटे
दिनमान	13:04:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	29:56:29 कर्क
लग्न के अंश	19:51:50 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वैधृति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:51:50	316:16:57	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			कर्क	29:56:29	00:57:40	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	18:31:44	13:25:21	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल		अ	कर्क	28:00:54	00:38:14	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	नीच राशि
बुध			सिंह	22:53:12	01:27:50	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			कर्क	09:25:53	00:12:55	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	15:49:29	00:59:46	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	नीच राशि
शनि			मिथु	02:32:01	00:05:21	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
राहु			वृष	21:35:15	00:00:12	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	21:35:15	00:00:12	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	03:05:29	00:02:23	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	15:17:44	00:01:34	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:02:07	00:00:18	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	09:02:42	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:22

लग्न-चलित

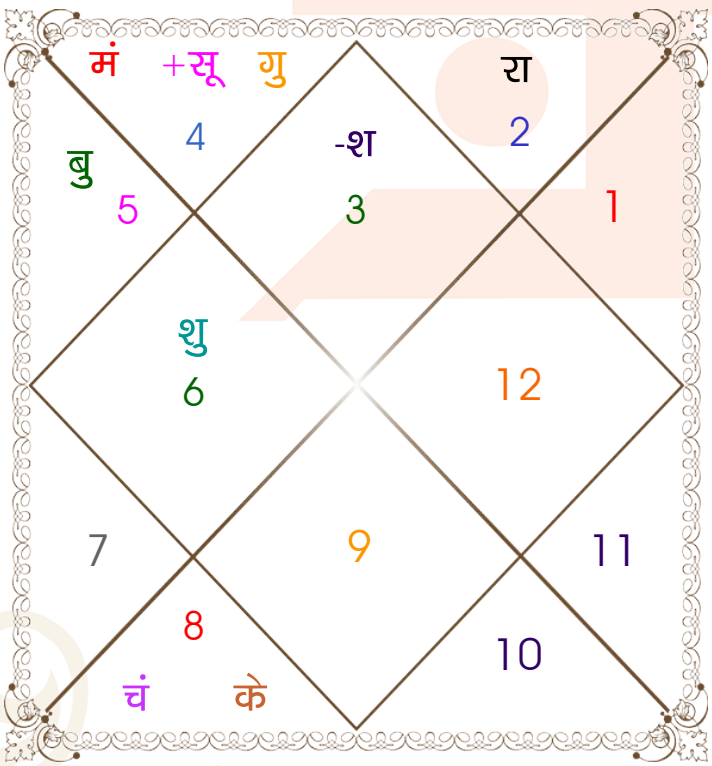

चन्द्र कुंडली

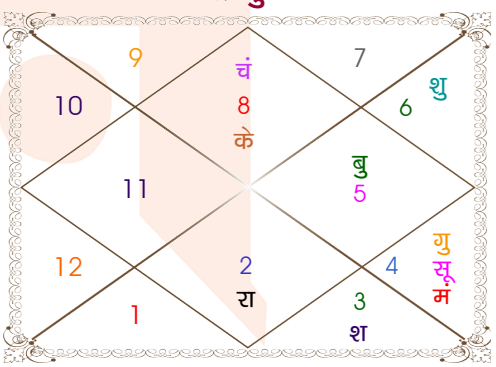

नवमांश कुंडली

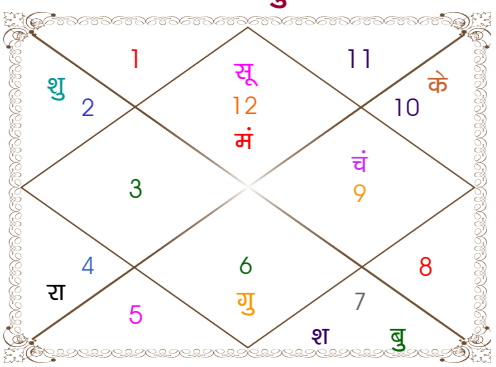

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 7 मास 15 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
17/08/2002		02/04/2017		01/04/2024		01/04/2044		02/04/2050	
02/04/2017		01/04/2024		01/04/2044		02/04/2050		01/04/2060	
बुध	29/08/2002	केतु	29/08/2017	शुक्र	02/08/2027	सूर्य	20/07/2044	चंद्र	31/01/2051
केतु	26/08/2003	शुक्र	29/10/2018	सूर्य	01/08/2028	चंद्र	19/01/2045	मंगल	01/09/2051
शुक्र	26/06/2006	सूर्य	06/03/2019	चंद्र	02/04/2030	मंगल	26/05/2045	राहु	02/03/2053
सूर्य	03/05/2007	चंद्र	05/10/2019	मंगल	02/06/2031	राहु	20/04/2046	गुरु	02/07/2054
चंद्र	01/10/2008	मंगल	02/03/2020	राहु	02/06/2034	गुरु	06/02/2047	शनि	01/02/2056
मंगल	28/09/2009	राहु	21/03/2021	गुरु	31/01/2037	शनि	19/01/2048	बुध	02/07/2057
राहु	17/04/2012	गुरु	24/02/2022	शनि	01/04/2040	बुध	25/11/2048	केतु	31/01/2058
गुरु	24/07/2014	शनि	05/04/2023	बुध	31/01/2043	केतु	02/04/2049	शुक्र	02/10/2059
शनि	02/04/2017	बुध	01/04/2024	केतु	01/04/2044	शुक्र	02/04/2050	सूर्य	01/04/2060

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/04/2060		02/04/2067		02/04/2085		03/04/2101		02/04/2120	
02/04/2067		02/04/2085		03/04/2101		02/04/2120		00/00/0000	
मंगल	29/08/2060	राहु	13/12/2069	गुरु	21/05/2087	शनि	05/04/2104	बुध	18/08/2122
राहु	16/09/2061	गुरु	08/05/2072	शनि	01/12/2089	बुध	15/12/2106		00/00/0000
गुरु	23/08/2062	शनि	15/03/2075	बुध	08/03/2092	केतु	23/01/2108		00/00/0000
शनि	02/10/2063	बुध	01/10/2077	केतु	12/02/2093	शुक्र	25/03/2111		00/00/0000
बुध	28/09/2064	केतु	20/10/2078	शुक्र	14/10/2095	सूर्य	06/03/2112		00/00/0000
केतु	24/02/2065	शुक्र	20/10/2081	सूर्य	01/08/2096	चंद्र	05/10/2113		00/00/0000
शुक्र	26/04/2066	सूर्य	13/09/2082	चंद्र	01/12/2097	मंगल	14/11/2114		00/00/0000
सूर्य	01/09/2066	चंद्र	14/03/2084	मंगल	07/11/2098	राहु	20/09/2117		00/00/0000
चंद्र	02/04/2067	मंगल	02/04/2085	राहु	03/04/2101	गुरु	02/04/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 7 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।